Dainik Bhaskar (Indore), 17th December 2024, Page-06

सौगात • 10 करोड़ रुपए में बनाएंगे पूरा फैक्टरी जैसा प्रोसेस सिम्युलेटर, यहां प्रोडक्ट डेमो भी किए जाएंगे

आईआईटी इंदौर में जल्द बनाया जाएगा मैन्युफैक्चरिंग सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, पांच साल में 50 स्टार्टअप को करेंगे फंड

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी इंदौर में अब मैन्युफैक्चरिंग के लिए भी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा। इसमें इंडस्ट्री ओरिएंटेड रिसर्च की जाएगी और आने वाले 5 सालों में 50 डीप टेक इंटेलीजेंट मैन्युफैक्चरिंग स्टार्टअप को फंडिंग दी जाएगी। इसमें उन्हीं प्रोजेक्ट पर काम किया जाएगा, जो सीधे फैक्टरी और इंडस्ट्री में इस्तेमाल हो सके। इसके लिए आईआईटी इंदौर में एक मैन्युफैक्चरिंग सिम्युलेटर सेटअप भी बनाया जाएगा, जिसमें कन्वेयर बेल्ट सहित अन्य सभी जरूरी मशीन लगाई जाएगी, जिस पर प्रोडक्ट बनाए जा सके और उनकी टेस्टिंग की जा सके। रॉ मटेरियल देने, प्रोडक्ट बनाने, उसकी क्वालिटी चेक करने से लेकर पैकेजिंग तक सभी प्रोसेस के लिए इस प्रोसेस सिम्युलेटर का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसे स्टार्टअप की जरूरत के हिसाब से चलाया जा सकेगा। इस पर प्रोडक्ट डेमो भी किए जाएंगे। जब जरूरत हो तब इसे चालू और बंद किया जा सकेगा।

अकसर फैक्टरी में प्रोसेसिंग को बीच में रोकना संभव नहीं होता है। ऐसे में किसी भी नए प्रोडक्ट को टेस्ट करना सीधे प्रोडक्शन को प्रभावित करता है। इसीलिए नए प्रोडक्ट डेवलपमेंट और टेस्टिंग के लिए इस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में एक छोटे स्तर पर कन्वेयर बेल्ट के साथ प्रोसेसिंग सिम्युलेटर बनाया जाएगा।

इसके लिए यहीं पर सारे रॉ मटेरियल और जरूरी मशीनें भी रखेंगे। इस पूरे सेटअप को बनाने में 10 करोड़ रुपए की लागत होगी। इसके लिए आईआईटी इंदौर के इन्क्यूबेशन सेंटर-दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन को जापान की कंपनी एसएमसी की ओर से 5.5 करोड़ रुपए का सीएसआर फंड भी दिया गया है। इसके अलावा डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी से फंडिंग ली जाएगी।

इंडस्ट्रीज बताएंगी हमें अपनी जरूरतें

दृष्टि फाउंडेशन के सीईओ आदित्य व्यास ने बताया कि इसके लिए हमने कई इंडस्ट्रीज के साथ भी समझौता किया है जो अपनी जरूरतों को हमें बताएंगे जिन पर हम काम करेंगे। इस पर आईआईटी इंदौर के साथ ही अन्य संस्थाओं के छात्रों और फैकल्टी सदस्यों को काम करने के लिए प्रेरित करेंगे और साथ ही हमारे साथ वर्तमान में जुड़े हुए जो स्टार्टअप हैं, उनसे भी काम करवाएंगे। वहीं जिन नए स्टार्टअप को हम जोड़ना चाहते हैं, उनमें से 25 को 10 लाख रुपए की फंडिंग और 25 को 30 लाख रुपए की फंडिंग देने की योजना है।